भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 13

जिसका उत्तर 14 सितम्बर, 2020 को दिया जाना है

कोयले का उत्पादन और खपत

13. श्री सतीश चंद्र दुबे

क्या **कोयला मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में कोयले के उत्पादन और खपत की राज्य-वार वर्तमान स्थिति क्या है(
(ख) क्या देश के कोयले के इष्टतम उपयोग के लिए सरकार द्वारा कोई कदम उठाया गया है अथवा प्रस्तावित है(और
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

संसदीय कार्य, कोयला एवं खान मंत्री

(श्री प्रल्हाद जोशी)

(क): वर्ष 2019-20 तथा 2020-21 (जुलाई, 2020 तक) के दौरान कोयले के राज्यवार उत्पादन का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

(मात्रा मिलियन टन में)

राज्य	2019-20(पी)	2020-21(जुलाई,20तक) (पी)
	उत्पादन	उत्पादन
असम	0.524	0.040
छत्तीसगढ़	157.064	37.298
जम्मू और कश्मीर	0.012	0.004
झारखण्ड	133.546	28.688
मध्य प्रदेश	125.582	41.005
महाराष्ट्र	54.762	11.482
ओडिशा	140.861	44.203
तेलंगाना	65.684	13.040
उत्तर प्रदेश	18.168	5.070
पश्चिम बंगाल	32.881	8.777
कुल	**729.084**	**189.607**
पी अनंतिम		

वर्ष 2019-20 के दौरान अखिल भारत कोयला खपत (प्रेषण+आयात) 955.26 मि.ट. था जबकि 2020-21 (जून, 2020 तक) में यह 186.97 मि.ट. था। कोयले की राज्यवार खपत उपलब्ध नहीं है।

(ख): जी हां।

(ग): कोयले के इष्टतम उपयोग के लिए सरकार द्वारा वाणिज्यिक खनन हेतु 100 प्रतिशत विदेशी प्रत्यक्ष निवेश की अनुमति दी गई है। कोयले की बिक्री हेतु कोयला खानों की नीलामी से बहु-उत्पादकों सहित कोयले के लिए एक बाजार का सृजन होगा तथा खनन के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट पद्धति तैयार होगी। भारतीय कोयला क्षेत्र की दीर्घकालिक संभावनाओं से वाणिज्यिक कोयला खनन में विकास होगा। इससे कोयला ब्लॉकों का भी तीव्र विकास होगा तथा बाजार में अधिकतम कोयला उपलब्ध होगा।

*****